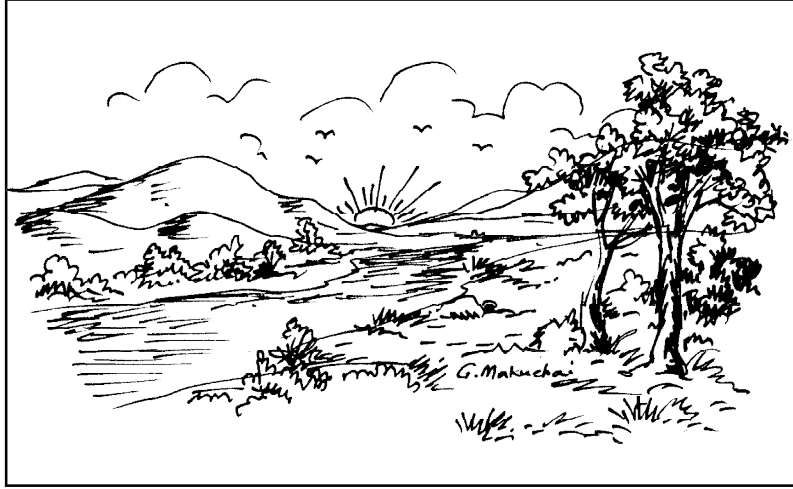




पाठ – एक

सवेरा

चहचहाना, सवेरा, अंगड़ाई, किरण, घेरना, कली, मुस्कान, बिखेरना, शीतल, मन्द, पवन, मोती, लता, भरपूर, मजदूर, दिशा, उल्लास, नूतन, चाह, कर्म, राह।



चिड़ियों ने चहचहा बताया —
जागो अब तुम हुआ सवेरा।
फूलों ने भी ली अंगड़ाई,
किरणों ने उनको आ घेरा॥

कलियों ने मुस्कान बिखेरी,
शीतल मन्द पवन बह आया।
दूर-दूर तक बिखरे मोती —
देख लता का मन हर्षाया॥

झीलों पर ग्रामीण युवतियाँ,
हंसतीं बतियातीं भरपूर।
नगरों में बाज़ार खुल गए,
चले काम पर सब मज़दूर॥

दिशा-दिशा उल्लास भरी है,
सब के मन में नूतन चाह।
कर्म मान कर पूजा, सबको –
तय करनी जीवन की राह॥

निर्देश —

अध्यापक इस कविता को छात्रों को याद कराएँ और सामूहिक गायन कराएँ।

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—

सवेरा	=	सुबह।
अंगड़ाई	=	जम्हाई के साथ अंग को तानना, देह का टूटना।
किरण	=	प्रकाश।
कली	=	न खिला हुआ फूल।
पवन	=	हवा।
शीतल	=	ठंडा।
मन्द	=	धीमा।
मजदूर	=	कुली, पैसा लेकर काम करने वाला आदमी।
उल्लास	=	आनन्द, हर्ष।
नूतन	=	नया।
चाह	=	इच्छा।
कर्म	=	कार्य, काम।
राह	=	रास्ता, पथ।

2. उत्तर लिखो :

क) चिड़िया क्या संदेश देती है ?

ख) किसने अंगड़ाई ली ?

ग) सवेरा होने पर कलियाँ क्या करने लगती हैं ?

घ) ग्रामीण युवातियाँ झीलों पर क्या करने लगती हैं ?

ङ) हमें अपने जीवन की राह किस तरह तय करनी चाहिए ?

च) सवेरा होने पर मन में क्या भर जाता है ?

छ) सबेरे उठकर हमें क्या करना चाहिए ?

ज) सबेरा होने पर नगरों में होने वाली हलचल के बारे में लिखो ।

3. पूरा करो :

----- उल्लास भरी है,

सब के मन में ----- ।

कर्म मान कर -----

----- जीवन की राह ॥

4. सबेरे के बारे में चार वाक्य लिखो :

